हमसे संपर्क करें

इस अध्ययन के बारे में हमारा छोटा सा वीडियो ऑनलाइन देखें:

www.liggins.auckland.ac.nz/csteroid/

www.facebook.com/csteroidtrial

इस शोध को हेल्थ रिसर्च काउंसिल ऑफ एन.जैड (एच.आर.सी.), मेडिकल रिसर्च फ्यूचर फंड (MRFF) के माध्यम से ऑस्ट्रेलियाई सरकार, ह्यूगो चैरिटेबल ट्रस्ट, लॉटरी हेल्थ रिसर्च एंड क्योर किड्स से सार्वजनिक तौर पर भलाई की फंडिंग का समर्थन प्राप्त है।

संस्करण 3, 12th May 2022

C*STEROID

क्या आपने 35 और 39^{+6} सप्ताहों के गर्भधारण के बीच सिज़ेरियन सेक्शन कराने की योजना बनाई है?

नियोजित सिज़ेरियन सेक्शन

- प्रसव शुरू होने से पहले 10 में से 1 से अधिक शिशुओं का जन्म नियोजित सिज़ेरियन सेक्शन (CS) के माध्यम से होता है।
- महिलाओं के जन्म देने के सभी तरीकों में माता और शिशु के लिए अलग-अलग लाभ और नुकसान होते हैं।
- योनि से जन्म या प्रसव शुरू होने के बाद CS से जन्म लेने वाले शिशुओं की तुलना में नियोजित CS से जन्म लेने वाले शिशुओं को छोटी अवधि में सांस की समस्याओं का अनुभव होने की अधिक संभावना रहती है।
- यदि सांस लेने में समस्याएँ पैदा होती हैं, तो नवजात शिशुओं को सांस लेने में समर्थन और निकटता से ध्यान देने के लिए नवजात इकाई (neonatal unit) में रखने की आवश्यकता हो सकती है।
- नवजात इकाई (neonatal unit) में रखने का अर्थ है कि शिशु को माता से अलग करना होता है।

क्या नियोजित CS के माध्यम से जन्म देने से पहले 35^{+0} से 39^{+6} सप्ताहों के बीच माता को कॉर्टिकोस्टेरॉइड के इंजेक्शन देने से शिशु के लिए साँस लेने में समस्याएँ होने का खतरा सुरक्षित रूप से कम हो सकता है?

आपके लिए C*STEROID अध्ययन उपयुक्त हो सकता है, यदि आप:

- 35^{+0} से 39^{+6} सप्ताहों के गर्भधारण के बाद CS से शिशु को जन्म देने की योजना बना रही हैं, और
- एकल या जुड़वा शिशुओं के साथ गर्भवती हैं, और
- नियोजित शिशुजन्म के पहले 7 दिनों से 24 घंटों के बीच अध्ययन के तहत दवाई की दो खुराकें लेने में समर्थ हैं।

यह अध्ययन आपके लिए उपयुक्त नहीं हो सकता है: यदि आप मधुमेह से ग्रस्त हैं; अपनी गर्भावस्था की अवधि में आपको पहले ही कॉर्टिकोस्टेरॉइड के इंजेक्शन दिए जा चुके हैं; या आपका शिशु बहुत अधिक बीमार है।

गर्भावस्था के दौरान कॉर्टिकोस्टेरॉइड

यदि 35 सप्ताहों से पहले शिशु जन्म होने की संभावना रहती है, तो माताओं को **नियमित रूप से** कोरिकोस्टेरॉइड **दिए जाते हैं**। इससे जन्म के बाद शिशु के सांस लेने में सुधार हो सकता है और उसके लंबे समय के स्वास्थ्य के लिए बहुत कम या बिल्कुल भी खतरा नहीं रहता है। 35 सप्ताहों के बाद इनके नियमित उपयोग के समर्थन में हमारे पास पर्याप्त रूप से अच्छे प्रमाण उपलब्ध नहीं हैं।

हम ऐसा मानते हैं कि कॉर्टिकोस्टेरॉइड से सांस लेने की समस्याएँ पैदा होने का खतरा और श्वसन में समर्थन के लिए नवजात इकाई (neonatal unit) में शिशु को भर्ती करने की संभावना आधी (↓50%) हो सकती है।

नवजात शिशुओं में रक्त शर्करा के निम्न स्तर (हाइपोग्लाइसीमिया) होना सामान्य बात है। लगभग 20-30% स्वस्थ, संपूर्ण गर्भावधि के बाद जन्म लेने वाले शिशु इससे प्रभावित होते हैं। समयपूर्व जन्म के कारण 'जोखिम वाले' अधिकतम 50% शिशु, अथवा अपनी आयु के अनुसार बहुत छोटे या बड़े आकार के शिशु इससे प्रभावित होते हैं। निम्न रक्त शर्कराएँ अधिक लंबे समय में बच्चे के स्वास्थ्य को प्रभावित कर सकती हैं, विशेषकर यदि इसके लिए उपचार न किया जाए।

सामान्य रूप से केवल 'जोखिम वाले' शिशुओं का ही परीक्षण किया जाता है।

35 सप्ताह के गर्भधारण के बाद कॉर्टिकोस्टेरॉइड का उपयोग करने से शिशु के जन्म के बाद रक्त शर्करा के स्तर निम्न होने की संभावना में परिवर्तन हो सकता है। इस अध्ययन में हिस्सा लेने वाले सभी शिशुओं के जन्म के बाद उनकी रक्त शर्करा स्तरों का परीक्षण किया जाएगा और यदि आवश्यक होगा, तो उनका उपचार किया जाएगा।

यदि मैं भाग लेती हूँ, तो इसमें क्या शामिल होगा?

इस अध्ययन में हिस्सा लेना स्वैच्छिक है। यदि आपकी भाग लेने में रुचि है, तो आपको पढ़ने के लिए एक प्रतिभागी सूचना-पत्र और सहमति फॉर्म दिया जाएगा। यदि आप भाग लेने के लिए सहमत होती हैं, तो आपको:

- सहमति फॉर्म पढ़कर हस्ताक्षर करने होंगे।
- अपने नियोजित CS से एक सप्ताह पहले 24 घंटों के अंतराल में दो इंजेक्शन लगवाने होंगे। या तो यह कॉर्टिकोस्टेरॉइड (बीटामेथासोन) होगा, या फिर प्लेसिबो (सैलीन, 'नमक का पानी') होगा। आपको और आपके डॉक्टरों को इस बारे में पता नहीं होगा कि कौन सी दवाई दी जा रही है।
- अपने नियोजित CS से पहले और शिशुजन्म के 6 सप्ताह बाद प्रश्नावलियाँ पूरी करनी होंगी।

इसमें शिशु के लिए क्या शामिल है?

आपके शिशु/शिशुओं के जन्मोपरांत पहले 12 घंटों में तीन या चार रक्त शर्करा परीक्षण किए जाएँगे। इसके लिए रक्त की कुछ बूंदें एकत्र करने के लिए शिशु की एड़ी में छोटी सी सुई चुभाने की आवश्यकता होती है। यदि आपके शिशु का रक्त शर्करा स्तर निम्न है, तो इसके बारे में आपके साथ चर्चा की जाएगी और उनका उपचार किया जाएगा।

शिशुजन्म के बाद छह सप्ताहों की अवधि के लिए आपके और आपके शिशु/शिशुओं के बारे में जानकारी एकत्र की जाएगी। जब तक आपका बच्चा/बच्ची 8 वर्ष की आयु का नहीं हो जाता/जाती है, तब तक हम समय-समय पर आपसे संपर्क करने के लिए निवेदन करेंगे।

क्या आपके पास कोई प्रश्न हैं?

आप अपने/अपनी LMC, किसी मित्र/सहेली, परिवार के सदस्य या whānau के समर्थन व्यक्ति के साथ इस अध्ययन के बारे में बात करने की इच्छुक हो सकती हैं।

यदि इस अध्ययन के बारे में आपके पास कोई प्रश्न हैं, तो आप हमसे संपर्क कर सकती हैं।

यह अध्ययन आपके स्थानीय अस्पताल द्वारा समर्थित है और इसे नैतिक अनुमोदन प्राप्त हुआ है (एचडीईसी रेफरी 20 / एनटीबी / एचआरईसी/73793/एमएच-2021 एयू)। इसका आयोजन ऑकलैंड विश्वविद्यालय और मेलबर्न विश्वविद्यालय के डॉक्टरों और दाइयों द्वारा किया गया है।

इस अध्ययन के बारे में हमारा छोटा सा वीडियो ऑनलाइन देखें:

www.liggins.auckland.ac.nz/csteroid/

www.facebook.com/csteroidtrial